



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311]
No. 311]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 6, 2007/आषाढ़ 15, 1929
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 6, 2007/ASADHA 15, 1929

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 2007

सं. 84/2007-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 473(अ).—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक है, एतद्वारा निर्देश देती है कि यहां दी गई सारणी के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना को उक्त सारणी के कॉलम (3) में दी गई प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट तरीके से संशोधित अथवा पुनः संशोधित, जैसा मामला हो, किया जाएगा, अर्थात् :-

सारणी

क्र. सं.	अधिसूचना सं. और तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	5/1994-सीमा शुल्क, दिनांक 18 जनवरी, 1994, सा.का.नि. 28(अ), दिनांक 18 जनवरी, 1994	<p>उक्त अधिसूचना में,</p> <p>(1) प्रारंभिक पैरा में "अथवा मुक्त व्यापार जोन में कार्यरत इकाई" शब्दों का लोप किया जाएगा;</p> <p>(2) प्रारंभिक पैरा के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-</p> <p>"बशर्ते कि ऐसे कोई छूट ऐसे माल पर लागू नहीं होगी जिन्हें—</p> <p>(क) शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाई में आयात की घरेलू टैरिफ इकाई में यथावत मंजूरी मिल जाती है;</p> <p>(ख) शत प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाई में तैयार माल (रद्दी, कूड़ा, कतरन, अवशेष और उप-उत्पाद सहित) के उत्पाद अथवा प्रसंस्करण के उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जाता है और ऐसे तैयार माल (रद्दी, कूड़ा, कतरन, अवशेष और उप-उत्पाद सहित) को घरेलू टैरिफ क्षेत्र में मंजूरी दे दी जाती है।"</p>

(1)	(2)	(3)
		<p>(3) अधिसूचना के अंत में निम्नलिखित व्याख्या जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—</p> <p>“व्याख्या—इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए,—</p> <p>(i) “शत प्रतिशत निर्यातानुमुखी इकाई” का वही अर्थ होगा जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उप-धारा (1) की व्याख्या में खण्ड (ii) में “शत प्रतिशत निर्यातानुमुखी उपक्रम” का अर्थ है;</p> <p>(ii) “घरेलू टैरिफ क्षेत्र” का अर्थ है विशेष आर्थिक जोन और शत प्रतिशत निर्यातानुमुखी उपक्रमों को छोड़कर भारत।”</p>
2.	94/96-सीमा शुल्क, दिनांक 16 दिसम्बर, 1996, सा.का.नि. 569(अ), दिनांक 16 दिसम्बर, 1996	<p>उक्त अधिसूचना में,</p> <p>(1) सारणी के बाद प्रथम परन्तुक में खण्ड (ग) के बाद निम्नलिखित खण्ड और प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—</p> <p>“(घ) सारणी के क्र. सं. 1, 2क और 3 के अंतर्गत आने वाले माल के मामले में और जहां निर्यातित माल का मूल्य निर्यात शुल्क की अदायगी के लिए निर्धारित किया गया हो वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 56/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 5 मई, 2000 [सा.का.नि. 399(अ), दिनांक 5 मई, 2000 के जरिए] और अधिसूचना सं. 57/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 8 मई, 2000 [सा.का.नि. 413(अ), दिनांक 8 मई, 2000 के जरिए] के अंतर्गत ली गई छूट को छोड़कर नामित एजेंसियों से प्राप्त शुल्क मुक्त निविष्टियों पर उद्ग्राह्य सीमा शुल्क की राशि का भी भुगतान सारणी के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट शुल्क राशि के अलावा किया जाएगा।”</p> <p>(2) व्याख्या में खण्ड (ख) की जगह निम्नलिखित खण्ड एवं प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—</p> <p>(ग) “नामांकित एजेंसी” का अर्थ है रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर बी आई) द्वारा अधिकृत धातु एवं व्यापार निगम लिमिटेड (एम एम टी सी), वस्त्र एवं हथकरघा निगम (एच एच ई सी), राज्य व्यापार निगम (एस टी सी), भारतीय परियोजना एवं उपकरण निगम लिमिटेड (पी ई सी) व कोई अन्य</p>
3.	56/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 5 मई, 2000, सा.का.नि. 399(अ), दिनांक 5 मई, 2000	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>(1) प्रारंभिक पैरा में “पैरा 4.4.8” शब्दों और आंकड़ों की जगह “पैरा 4क. 8” शब्दों एवं आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाएगा ;</p> <p>(2) व्याख्या में खण्ड (घ) की जगह निम्नलिखित खण्ड एवं प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—</p> <p>“(घ) “दर्जा प्राप्त” का अर्थ है विदेश व्यापार नीति के पैरा 3.5.2 के दृष्टिकोण से निर्यात हाऊस (ईएच), स्टार निर्यात हाऊस (एस ई एच), व्यापार हाऊस (टी एच), स्टार व्यापार हाऊस (एस टी एच) तथा प्रमुख व्यापार हाऊस (पी टी एच) के रूप में मान्यता प्राप्त निर्यातक”</p>
4.	57/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 8 मई, 2000, सा.का.नि. 413(अ), दिनांक 8 मई, 2000	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>(1) प्रारंभिक पैरा के खण्ड (क) में “पैरा 4.4.9” शब्दों और आंकड़ों की जगह पैरा 4क, 15” शब्दों और आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाएगा;</p> <p>(2) प्रारंभिक पैरा के खंड (ख) में “पैरा 4.4.10” शब्दों और आंकड़ों की जगह “पैरा 4क.9” शब्दों और आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।</p>
5.	52/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003, सा.का.नि. 274(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>(1) प्रारंभिक पैरा की शर्त (3) में उप शर्त (घ) में, खंड (i) में, उप-खंड (ii) के लिए निम्नलिखित उप-खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—</p> <p>“(2) कारखानागत माल को छोड़कर अन्य माल के मामले में ऐसे माल, जिनसे उक्त अधिकारी संतुष्ट नहीं होते हैं कि इनका उपयोग भारत से बाहर निर्यात के लिए</p>

(3)

एस आई ओ एन के अनुसार माल के उत्पादन अथवा पैकेजिंग के सिलसिले में उपयोग किया गया है अथवा आयात अथवा उनकी प्राप्ति की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के अंदर अथवा इस बात से संतुष्ट होने पर कि उक्त अवधि के अंदर उपयोग नहीं किए जाने के पर्याप्त कारण हैं उक्त अधिकारी द्वारा बढ़ाई गई अवधि के अंदर घरेलू उपयोग के लिए जिन्हें मंजूरी मिल जाती है, के लिए अनुमति दी जा सकती है :-

बशर्ते कि :-

(क) जहां किसी एस आई ओ एन को अधिसूचित नहीं किया जाता है आयात के परिमाण के 2 प्रतिशत तक रद्दी/कतरन और अवशेष के उत्पादन की अनुमति होगी;

(ख) जहां एस आई ओ एन में दी गई मदों के अलावा अतिरिक्त मदें निविष्टि के रूप में अपेक्षित हो अथवा जहां इकाई वर्तमान एस आई ओ एन को अपर्याप्त समझता हो अथवा जहां रद्दी/कतरन और अवशेष का उत्पादन आयात के परिमाण के 2 प्रतिशत से अधिक हो, ऐसे माल के स्व-घोषित मानदंडों के आधार पर उपयोग की अनुमति होगी जब तक कि स्व-घोषित मानदंडों की तिथि से तीन महीने की अवधि के अन्दर क्षेत्राधिकारी विकास आयुक्त द्वारा तदर्थ आधार पर ऐसे मानदंड निर्धारित नहीं कर दिए जाते हैं और जब तक कि इकाई इस बात की शपथ नहीं लेती है कि स्व-घोषित/तदर्थ मानदंड अनुमोदन बोर्ड द्वारा अंतिम रूप से निर्धारित मानदंड के अनुसार तदर्थ मानदंड के निर्धारण के छः महीने के अंदर समायोजित कर दिए जाएंगे।"

(2) पैरा 3 में "यथाचित शुल्क" शब्दों की जगह "लागू शुल्क" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(3) अनुबंध-1 में क्र. सं. 15 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्र.सं. और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :-

"15क. प्रदर्शनी, जिसके लिए माल का निर्यात किया गया था के समाप्त होने के 60 दिनों के अंदर पुननिर्यात किया गया माल";

(4) पैरा 13 के बाद आने वाली व्याख्या में,-

(क) क्रम संख्या (xi) और उससे संबंधित प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

"(xi) 'दर्जा प्राप्त' का अर्थ है विदेश व्यापार नीति के पैरा 3.5.2 के दृष्टिकोण से निर्यात हाऊस (ई एच) स्टार निर्यात हाऊस (एस ई एच), व्यापार हाऊस (टी एच) और प्रमुख व्यापार हाऊस (पी टी एच) के रूप में मान्यता प्राप्त निर्यातक";

(ख) क्रम संख्या (xii) और उससे संबंधित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात् :-

"(xiii) 'एस आई ओ एन' से तात्पर्य विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा प्रक्रिया पुस्तिका, खण्ड 2, 2004-2009 में अधिसूचित/अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित स्टैंडर्ड इनपुट आउटपुट नाम्स से है।"

[फा. सं. डी जी ई पी/एफ टी पी/69/2007-ई ओ यू एंड जी एण्ड जे]

असीम कुमार, अवर सचिव

नोट :- 1. मूल अधिसूचना सं. 5/1994-सीमा शुल्क, दिनांक 18 जनवरी, 1994, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 28(अ), दिनांक 18 जनवरी, 1994 के जरिए प्रकाशित हुई थी;

2. अधिसूचना सं. 94/96-सीमा शुल्क, दिनांक 16 दिसम्बर, 1996, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड (i) में सं. सा.का.नि. 569(अ), दिनांक 16 दिसम्बर, 1996 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 44/2006-सीमा शुल्क, दिनांक 17 मई, 2006 द्वारा सा.का.नि. 291(अ), दिनांक 17 मई, 2006 के जरिए किया गया था;

3. मूल अधिसूचना सं. 56/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 5 मई, 2000 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 399(अ), दिनांक 5 मई, 2000 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 87/2004-सीमा शुल्क, दिनांक 6 सितम्बर, 2004 द्वारा सा.का.नि. 566(अ), दिनांक 6 सितम्बर, 2004 के जरिए किया गया था;
4. मूल अधिसूचना सं. 57/2000-सीमा शुल्क, दिनांक 8 मई, 2000, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 413(अ), दिनांक 8 मई, 2000 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 87/2004-सीमा शुल्क, दिनांक 6 सितम्बर, 2004 द्वारा सा.का.नि. 566(अ), दिनांक 6 सितम्बर, 2004 के जरिए किया गया था;
5. मूल अधिसूचना सं. 52/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 274(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 76/2007-सीमा शुल्क, दिनांक 6 जून, 2007 द्वारा सा.का.नि. 417(अ), दिनांक 6 जून, 2007 के जरिए किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th July, 2007

No. 84/2007-CUSTOMS

G.S.R. 473(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely:

TABLE

Serial Number	Notification number and Date	Amendments
(1)	(2)	(3)
1.	5/1994-Customs, dated the 18th January, 1994, G.S.R. 28(E), dated the 18th January, 1994.	<p>In the said notification,—</p> <p>(1) in the opening paragraph, the words “or a unit working in a free trade zone” shall be omitted;</p> <p>(2) after the opening paragraph, the following proviso shall be inserted, namely:— “Provided that no such exemption shall be applicable to such goods which— (a) after importation in the hundred per cent. export oriented unit are cleared as such in the Domestic Tariff Area; (b) are used for the purpose of manufacture or processing of finished goods (including rejects, waste, scrap, remnant and by products) in the hundred per cent export oriented unit and such finished goods (including rejects, waste, scrap, remnant and by products) are cleared in the Domestic Tariff Area.”</p> <p>(3) after the proviso as so inserted, the following : <i>Explanation</i> shall be inserted, namely:— “Explanation— For the purpose of this notification,— (i) “hundred per cent export oriented unit” has the same meaning as assigned to “hundred per cent export oriented undertaking” in clause (ii) to the Explanation of sub-section (1) of Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);</p>

(1)	(2)	(3)
2.	94/96-Customs dated the 16th December, 1996, G.S.R. 569(E), dated the 16 December, 1996	<p>(ii) "Domestic Tariff Area" means India except Special Economic Zone and hundred per cent export oriented undertakings."</p> <p>In the said notification,—</p> <p>(1) in the first proviso after the Table, after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—</p> <p>"(d) in the case of the goods falling under serial numbers 1, 2A and 3 of the Table and where the value of exported goods was counted towards fulfilment of export obligation, the amount of customs duties leviable on the duty free inputs obtained from Nominated Agencies but for the exemption availed under the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 56/2000-Customs dated the 5th May, 2000 [vide G.S.R. 399 (E), dated the 5th May, 2000] and notification No. 57/2000-Customs dated the 8th May, 2000 [vide G.S.R. 413 (E), dated the 8th May, 2000] shall also be paid in addition to amount of duty specified in column (3) of the Table."</p> <p>(2) in the <i>Explanation</i>, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—</p> <p>"(c) "Nominated agencies" means the Metals and Minerals Trading Corporation Limited (MMTC), the Handicraft and Handloom Corporation (HHEC), the State Trading Corporation (STC), the Project and Equipment Corporation of India Ltd. (PEC) and any other agency authorised by Reserve Bank of India (RBI)."</p>
3.	56/2000-Customs dated the 5th May, 2000, G.S.R. 399(E), dated the 5th May, 2000	<p>In the said notification,—</p> <p>(1) in the opening paragraph, for the words and figures 'paragraph 4.4.8', the words, letter and figures 'Paragraph 4A.8' shall be substituted;</p> <p>(2) in the <i>Explanation</i>, for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:—</p> <p>"(d) "Status holder" means the importer recognized as Export House (EH), Star Export House (SEH), Trading House (TH), Star Trading House (STH) and Premier Trading House (PTH) in terms of Paragraph 3.5.2 of the Foreign Trade Policy."</p>
4.	57/2000-Customs dated the 8th May, 2000, G.S.R. 413(E), dated the 8th May, 2000	<p>In the said notification,—</p> <p>(1) in the clause (a) to opening paragraph, for the words and figures "paragraph 4.4.9", the words, letter and figures "Paragraph 4A.15" shall be substituted;—</p> <p>(2) in the clause (b) to opening paragraph, for the words and figures "Paragraph 4.4.10", the words, letter and figures "Paragraph 4A.9" shall be substituted.</p>
5.	52/2003-Customs dated the 31st March, 2003, G.S.R. 274(E), dated the 31st March, 2003	<p>In the said notification,—</p> <p>(1) in the condition (3) of opening paragraph, in sub-condition (d), in clause (I), for sub-clause (ii), the following sub-clause shall be substituted, namely:—</p> <p>"(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods as are not proved to the satisfaction of the said officer to have been used in connection with the production or packaging of goods in accordance with SION for export out of India or cleared for home consumption within a period of three years from the date of import or procurement thereof or within such extended period as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow:</p>

(3)

Provided that—

- (a) where no SION have been notified, the generation of waste, scrap and remnants upto 2% of the import quantity shall be allowed;
- (b) where additional items other than those given in the SION are required as input or where the unit considers the existing SION as inadequate or where generation of waste, scrap and remnants is beyond 2% of the import quantity, use of such goods shall be allowed on the basis of self-declared norms till such norms are fixed on *ad hoc* basis by the jurisdictional Development Commissioner within a period of three months from the date of self declared norms and the unit undertakes to adjust the self-declared/*ad hoc* norms in accordance with norms as finally fixed by the Board of Approval within a six months of fixation of *ad hoc* norms;”;
- (2) in the paragraph 3, for the words “appropriate duty”, the words “applicable duty” shall be substituted;
- (3) in the ANNEXURE-I, after Serial number 15 and the entries relating thereto, the following Serial number and entries shall be inserted, namely:—
 “15A. Goods re-imported within 60 days of close of exhibition for which these goods were exported.”;
- (4) in the *Explanation* occurring after paragraph 13,—
 (a) for serial number (xi) and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—
 “(xi) ‘Status holder’ means importer recognized as Export House (EH), Star Export House (SEH), Trading House (TH), Star Trading House (STH) and Premier Trading House (PTH) in terms of Paragraph 3.5.2 of the Foreign Trade Policy”;
 (b) after serial number (xii) and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely:—
 “(xiii) ‘SION’ means Standard Input Output Norms notified by Director General of Foreign Trade in Handbook of Procedures, Vol. 2, 2004-09/approved by Board of Approval.”

[F.No. DGEP/FTP/69/2007-EOU and G & J]

ASEEM KUMAR, Under Secy.

Notes :—1. The principal notification No. 5/1994-Customs, dated the 18th January, 1994 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 (i) *vide* G.S.R. 28(E), dated the 18th January, 1994;

2. The principal notification No. 94/96-Cus., dated the 16th December, 1996 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3 (i) *vide* G.S.R. No. 569(E), dated the 16th December, 1996 and was last amended by notification No. 44/2006-Customs, dated the 17th May, 2006 published *vide* G.S.R. 291(E), dated the 17th May, 2006;

3. The principal notification No. 56/2000-Customs, dated the 5th May, 2000 was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3 (i) *vide* G.S.R. 399 (E), dated the 5th May, 2000 and last amended by notification No. 87/2004-Cus., dated the 6th September, 2004 published *vide* G.S.R. 566 (E), dated the 6th September, 2004;

4. The principal notification No. 57/2000-Customs, dated the 8th May, 2000 was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3 (i) *vide* G. S.R. 413(E), dated the 8th May, 2000 and last amended by notification No. 87/2004-Cus., dated the 6th September, 2004 published *vide* G.S.R. 566(E), dated the 6th September, 2004;

5. The principal notification No. 52/2003-Customs, dated the 31st March, 2003 was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3 (i) *vide* G.S.R. 274 (E), dated the 31st March, 2003 and last amended by notification No. 76/2007-Cus., dated the 6th June, 2007 published *vide* G.S.R. 417(E), dated the 6th June, 2007.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 2007

सं. 29/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 474(अ).—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उप-धारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (वस्त्र एवं वस्त्र निर्मित वस्तुएं), अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उप-धारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उप-धारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि सार्वजनिक हित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा निर्देश देती है कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक अधिसूचना, जिन्हें एतस्मिन् पश्चात् दी गई सारणी की प्रविष्टि (2) में दिया गया है, में उनके सामने सारणी की प्रविष्टि (3) में विनिर्दिष्ट तरीके से संशोधन तथा आगे भी संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :-

सारणी

क्र. सं.	अधिसूचना सं. तथा तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	22/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003 सा.का.नि. 265(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>(1) प्रारंभिक पैराग्राफ की शर्त (4) में खंड (क) के उप-खंड (ii) के लिए, निम्नलिखित उप-खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-</p> <p>“(ii) पूंजीगत माल से भिन्न अन्य माल के मामले में, ऐसे माल जिसके बारे में उक्त अधिकारी इस बात से संतुष्ट नहीं है कि इसका प्रयोग भारत के बाहर निर्यात किए जाने के उद्देश्य से एस आई ओ एन के अनुसार माल के उत्पादन या पैकेजिंग के लिए किया जा सकता है या इन की अधिप्राप्ति की तीन वर्ष की अवधि में या बढ़ाई गई अवधि में घरेलू खपत के लिए क्लीयर किया जा सकता है, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि उक्त अवधि के भीतर इसके प्रयोग न किए जा सकने के पर्याप्त कारण हैं, उक्त अधिकारी अनुमति दे सकता है बशर्ते कि :-</p> <p>(क) जहां किसी एस आई ओ एन मानक को अधिसूचित नहीं किया गया है, अधिप्राप्त इनपुट की 2 प्रतिशत मात्र तक कचरा, कूड़ा और अवशेष के पैदा किए जाने की अनुमति दी जा सकेगी।</p> <p>(ख) जहां एस आई ओ एन में दिए गए मद से भिन्न अतिरिक्त मदों का इनपुट के रूप में प्रयोग किया जाना जरूरी है या जहां कि प्रयोगकर्ता उद्योग वर्तमान एस आई ओ एन को अपर्याप्त समझते हैं या जहां कि अधिप्राप्त इनपुट के 2 प्रतिशत से अधिक कचड़ा, कूड़ा या अवशेष पैदा होता है, ऐसे माल की स्वघोषित मानक के आधार पर तब तक प्रयोग करने की अनुमति दी जा सकती है जब तक कि मानक की ऐसी स्वघोषणा की तारीख से तीन माह की अवधि के भीतर क्षेत्राधिकार प्राप्त विकास आयुक्त द्वारा तदर्थ आधार पर ऐसे मानकों की उद्घोषणा नहीं कर दी जाती है और ईकाईयों स्वघोषित/तदर्थ मानकों को अनुमोदन बोर्ड द्वारा अंतिम रूप से निर्धारित मानकों के अनुसार, तदर्थ मानक के निर्धारण के 6 माह के भीतर समयोजित करने का वचन नहीं दे देती है।</p> <p>(2) प्रारंभिक पैराग्राफ की शर्त (6) और उससे संबंधित प्रविष्टियों को निरसित कर दिया जाएगा :</p> <p>(3) पैराग्राफ 6 में,—</p> <p>(i) “किसी उपयोगकर्ता उद्योग में वस्तु तथा ऐसी वस्तुओं” शब्दों के स्थान पर “किसी उपयोगकर्ता उद्योग में वस्तु और सेवाओं तथा ऐसी वस्तुओं और सेवाओं” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।</p> <p>(ii) “यथोचित शुल्क” शब्दों के स्थान पर “लागू शुल्क” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।</p> <p>(4) पैराग्राफ 13 के बाद आने वाले स्मष्टीकरण में,—</p> <p>(क) क्रम संख्या (X) और इससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-</p>

(1)	(2)	(3)
		<p>“(x)” स्टेटस होल्डर्स” से तात्पर्य विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.5.2 की दृष्टि से मान्यताप्राप्त आयातकर्ताओं जैसे कि एक्सपोर्ट हाउस (ई एच), स्टार एक्सपोर्ट हाउस (एस ई एच), ट्रेडिंग हाउस (टी एच), स्टार ट्रेडिंग हाउस (एस टी एच) और प्रीमियर ट्रेडिंग हाउस (पी टी एच) से है”।</p> <p>(ख) क्रम सं. (xi) और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—</p> <p>(xii) “एस आई ओ एन” से तात्पर्य विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा प्रक्रिया पुस्तिका, खण्ड 2, 2004-2009 में अधिसूचित/अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित स्टैंडर्ड इनपुट आउटपुट नाम्स से है”।</p>
2.	23/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003 सा.का.नि. 266(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003	<p>उक्त अधिसूचना पैराग्राफ 3 के बाद आने वाले स्पष्टीकरण-II के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—</p> <p>“स्पष्टीकरण-II—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित आपूर्ति को आयतित माल माना जाएगा :</p> <p>(i) किसी निर्यातोनमुखी प्रतिष्ठान या साफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क यूनिट या इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर टेक्नालाजी पार्क यूनिट जैसी भी स्थिति हो, से प्राप्त माल;</p> <p>(ii) विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 8.3 (क) और (ख) के अंतर्गत मान लिए जाने वाले निर्यात से प्राप्त लाभ के अंतर्गत घरेलू तटकर क्षेत्र से प्राप्त माल।”</p>
		[फा. सं. डी जी ई पी/एफ टी पी/69/2007-ई ओ यू एंड जी एण्ड जे] असीम कुमार, अवर सचिव

नोट :—

1. प्रधान अधिसूचना सं. 22/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003 भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 265(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003 के तहत प्रकाशित की गई थी और इसमें अंतिम बार सा.का.नि. 418(अ), दिनांक 6 जून, 2007 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं. 26/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 6 जून, 2007 को द्वारा संशोधित किया गया था।
2. प्रधान अधिसूचना सं. 23/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 मार्च, 2003 भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. 266(अ), दिनांक 31 मार्च, 2003 के तहत प्रकाशित की गई थी और इसमें अंतिम बार सा.का.नि. 112(अ), दिनांक 1 मार्च, 2006 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं. 22/2006-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 1 मार्च, 2006 को द्वारा संशोधित किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th July, 2007

No. 29/2007-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 474 (E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with Sub-section (3) of Section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and Sub-section (3) of Section 3 of Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely :—

TABLE

Serial Number	Notification number and Date	Amendments
(1)	(2)	(3)
1.	22/2003-Central Excise, dated the 31st March, 2003, G.S.R. 265(E), dated the 31st March, 2003.	<p>In the said notification,—</p> <p>(i) in the condition (4) of opening paragraph, in clause (a), for sub-clause (ii), the following sub-clause shall be substituted, namely:—</p> <p>“(ii) in the case of goods other than capital goods, such goods as are not proved to the satisfaction of the said officer to have been used in connection with the production or packaging of goods in</p>

(1)

(2)

(3)

accordance with SION for export out of India or cleared for home consumption within a period of three years from the date of procurement thereof or within such extended period as the said officer may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them as above within the said period, allow:

Provided that:—

(a) where no SION norms have been notified, the generation of waste, scrap and remnants up to 2% of quantity of the inputs procured shall be allowed;

(b) where additional items other than those given in the SION are required as inputs or where the user industry considers the existing SION as inadequate or where generation of waste, scrap and remnants is beyond 2% of the inputs procured, use of such goods shall be allowed on the basis of self-declared norms till such norms are fixed on *ad hoc* basis by the jurisdictional Development Commissioner within a period of three months from the date of self-declared norms and the unit undertakes to adjust the self-declared/*ad hoc* norms in accordance with norms as finally fixed by the Board of Approval within six months of fixation of *ad hoc* norms;”;

(2) the condition (6) of opening paragraph and entries relating thereto shall be omitted;

(3) in the paragraph 6,—

(i) for the words “article in an user industry and such articles”, the words “article or services in an user industry and such articles or services” shall be substituted;

(ii) for the words “appropriate duty”, the words “applicable duty” shall be substituted;

(4) in the *Explanation* occurring after paragraph 13,—

(a) for serial number (x) and entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:

“(x) “Status holder” means importer recognized as Export House (EH), Star Export House (SEH), Trading House (TH), Star Trading House (STH) and Premier Trading House (PTH) in terms of Paragraph 3.5.2 of the Foreign Trade Policy.”;

(b) after serial number (xi) and entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely:—

“(xii) “SION” means Standard Input Output Norms notified by Director General of Foreign Trade in Handbook of Procedures, Vol. 2, 2004-09/approved by Board of Approval.”.

In the said notification, for the *Explanation II* occurring after paragraph 3, the following *Explanation* shall be substituted, namely:

“Explanation II.—For the purposes of this notification, following supplies shall be treated as imported goods:

(i) goods received from any export oriented undertaking or Software Technology Park unit or Electronic Hardware Technology Park unit, as the case may be;

2. 23/2003—Central Excise, dated the 31st March 2003, G.S.R. 266(E), dated the 31st March, 2003.

3059 GI/07-3

(3)

(ii) goods received from Domestic Tariff Area under benefits of deemed exports under Paragraph 8.3 (a) and (b) of the Foreign Trade Policy.”

[F.No. DGEP/FTP/69/2007-EOU and G & J]

ASEEM KUMAR, Under Secy.

Note:—

1. The principal notificaiton No. 22/2003-Central Excise, dated the 31st March, 2003 was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (i) *vide* G.S.R. 265(E), dated the 31st March, 2003 and last amended by notificaiton No. 26/2007-Central Excise, dated the 6th June, 2007 published *vide* G.S.R. 418(E), dated the 6th June, 2007.

2. The principal notificaiton No. 23/2003-Central Excise, dated the 31st March, 2003 was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (i) *vide* G.S.R. 266(E), dated the 31st March, 2003 and last amended by notificaiton No. 22/2006-Central Excise, dated the 1st March, 2006, published *vide* G.S.R. 112(E), dated the 1st March, 2006.